राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (REET)–2024
माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
पाठ्यक्रम(Syllabus)
स्तर– द्वितीय (Level-2)
(कक्षा 6 से 8 तक)

प्रश्न पत्र–II , खण्ड– II खण्ड शीर्षकः भाषा 1 हिन्दी

कुल प्रश्न : 30
कुल अंक : 30

- एक अपठित गद्यांश में से निम्नलिखित व्याकरण संबंधी प्रश्न :–

  शब्द ज्ञान– तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी शब्द। पर्यायवाची, विलोम, एकार्थी एवं अनेकार्थी शब्द। उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, विशेष्य, अव्यय। वाक्यांश के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि।

- एक अपठित गद्यांश में से निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रश्न :–
  रेखांकित शब्दों का अर्थ स्पष्ट करना, वचन, काल, लिंग ज्ञात करना। दिए गए शब्दों का वचन काल और लिंग बदलना, राजस्थानी शब्दों के हिन्दी रूप।

- वाक्य रचना, वाक्य के अंग, वाक्य के प्रकार, पदबंध, मुहावरे और लोकोक्तियाँ, विराम चिन्ह।

- भाषा की शिक्षण विधि, भाषा शिक्षण के उपागम, भाषा दक्षता का विकास।

- भाषायी कौशलों का विकास (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) हिंदी भाषा शिक्षण में चुनौतियाँ, शिक्षण अधिगम सामग्री, पाठ्य पुस्तक, बहु–माध्यम एवं शिक्षण के अन्य संसाधन।

- भाषा शिक्षण में मूल्यांकन, उपलब्धि परीक्षण का निर्माण समग्र एवं सतत् मूल्यांकन, उपचारात्मक शिक्षण ।

- राजस्थानी भाषा एवं साहित्य की सामान्य जानकारी।

  - **बहु विकल्प प्रश्नों का मापदण्ड कक्षा 6 से 8 तक के राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम सत्र 2024–2025 के आधार पर होगा, लेकिन प्रश्नों का चयन एवं कठिनाई स्तर सीनियर सैकण्डरी (कक्षा 12) तक का होगा।**

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (REET)–2024
माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
पाठ्यक्रम(Syllabus)
स्तर– द्वितीय (Level-2)
(कक्षा 6 से 8 तक)

प्रश्न पत्र–II, खण्ड– III खण्ड शीर्षकः भाषा–II हिन्दी

कुल प्रश्न 30
कुल अंक 30

- एक अपठित गद्यांश आधारित निम्नलिखित व्याकरण संबंधी प्रश्न :–

  वर्ण विचार, वर्ण विश्लेषण ,शब्द ज्ञान– तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी शब्द, युग्म–शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास,शब्दों को शब्द–कोश क्रम में लिखना, शब्दों के मानक रूप लिखना, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन, काल।

- एक अपठित पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रश्न :–

  भाव सौंदर्य
  विचार सौंदर्य
  नाद सौंदर्य
  शिल्प सौंदर्य
  जीवन दृष्टि

- वाक्य रचना, वाक्य के अंग, वाक्य के भेद, पदबंध, मुहावरे, लोकोक्तियाँ। कारक चिह्न, अव्यय, विराम चिह्न, राजस्थानी मुहावरों का अर्थ व प्रयोग।

- भाषा शिक्षण विधि, भाषा शिक्षण के उपागम, भाषायी दक्षता का विकास।

- भाषायी कौशलों का विकास (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) शिक्षण अधिगम सामग्री–पाठ्य पुस्तक, बहु–माध्यम एवं शिक्षण के अन्य संसाधन।

- भाषा शिक्षण में मूल्यांकन, (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) उपलब्धि परीक्षण का निर्माण, समग्र एवं सतत् मूल्यांकन, उपचारात्मक शिक्षण।

- राजस्थानी साहित्य एवं साहित्यकार।

➢ **बहु विकल्प प्रश्नों का मापदण्ड कक्षा 6 से 8 तक के राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम सत्र 2024–2025 के आधार पर होगा, लेकिन प्रश्नों का चयन एवं कठिनाई स्तर सीनियर सैकण्डरी (कक्षा 12) तक का होगा।**